:: परिशिष्ट - अ ::

हिंदी अध्यापन विधि का अध्ययन करनेवाले एवं प्रश्नावली संपन्न कर,
प्रतिसाद देनेवाले छात्रशिक्षकों की सूची :-

१] अध्यापक महाविद्यालय का नाम :- बसंतराव नाईक शिक्षणशास्त्र महाविद्यालय, कोल्हापूर.

अनुक्रम	छात्रशिक्षक का नाम	शैक्षिक पात्रता	अध्यापन विधि	अनुभव
१.	कु. थोरात वसुंधरा कृ.	बी.ए.	हिंदी/इतिहास	-
२.	कु. सरनोबत हेमांगी वि.	एम.ए.	हिंदी/मराठी	-
३.	श्री. बरेकर प्रकाश गो.	बी.ए.	हिंदी/इतिहास	-
४.	श्री. लोकरे संतराम द.	एम.ए.	हिंदी/अर्थशास्त्र	-
५.	श्री. निकम दामाजी स.	बी.ए.	हिंदी/इतिहास	-
६.	श्री. बुवा दौलू रा.	एम.ए.	हिंदी/इतिहास	-
७.	श्री. पाटील विश्वास ज्ञा.	एम.ए.	हिंदी/इतिहास	-
८.	सुश्री घाटगे उषा रा.	एम.ए.	हिंदी/मराठी	-
९.	कु. सर्वगोंड सुनिता दौ.	एम.ए.	हिंदी/मराठी	-
१०.	सुश्री निळकंठ कल्पना द.	एम.ए.	हिंदी/मराठी	-

२] अध्यापक महाविद्यालय का नाम :- सावित्रीबाई फुले महिला शिक्षणशास्त्र महाविद्यालय, कोल्हापूर

अनुक्रम	छात्रशिक्षक का नाम	शैक्षिक पात्रता	अध्यापन विधि	अनुभव
११.	कु. घाटोळे लता बा.	एम.ए.	हिंदी/इतिहास	-
१२.	कु. चोपडे एस.एम.	बी.ए.	हिंदी/भूगोल	-
१३.	कु. सुखसे रिना क.	एम.ए.	हिंदी/इतिहास	-
१४.	कु. बेंद्रे जयश्री बा.	एम.ए.	हिंदी/इतिहास	-
१५.	कु. कलावडे शोभिनीशा शां.	बी.ए.	हिंदी/इतिहास	१ वर्ष
१६.	कु. बिंजारी विजया ज.	एम.ए.	हिंदी/अर्थशास्त्र	-
१७.	कु. माने मनिषा ज.	बी.ए.	हिंदी/भूगोल	-
१८.	कु. शिंदे सुजाता म.	एम.ए.	हिंदी/भूगोल	-

३] अध्यापक महाविद्यालय का नाम :- यशवंत शिक्षणशास्त्र महाविद्यालय, कोडोली.

अनुक्रम	छात्रशिक्षक का नाम	शैक्षिक पात्रता	अध्यापन विधि	अनुभव
१९.	कु. गुजर शोभाराणी जो.	बी.ए.	हिंदी/भूगोल	-
२०.	श्री. मुजावर शमशुद्दीन जै.	बी.ए.	हिंदी/इंग्रजी	१२ वर्षे

अनुक्रम	छात्रशिक्षक का नाम	शैक्षिक पात्रता	अध्यापन विधि	अनुभव
२१.	कु. शिंदे निताश्री मा.	बी.ए.	हिंदी/भूगोल	–
२२.	श्री. सर्वगौंड अरूणा चि.	बी.ए.	हिंदी/इतिहास	–
२३.	श्री. बणावे नाना सो.	बी.ए.	हिंदी/इतिहास	–
२४.	कु. शिरसाट वैशाली द.	बी.ए.	हिंदी/इतिहास	–
२५.	कु. धोत्रे मनिषा रा.	एम.ए.	हिंदी/भूगोल	–
२६.	श्री. साठे राजाराम ना.	बी.ए.	हिंदी/इतिहास	–
२७.	कु. महादान्य अंजली ज.	एम.ए.	हिंदी/भूगोल	–

४] <u>अध्यापक महाविद्यालय का नाम</u> :- श्रीमती ताराराणी अध्यापक महाविद्यालय, कोल्हापूर.

२७.	कु. सुतार जयश्री धों.	बी.ए.	हिंदी/इतिहास	–
२८.	श्री. मणिकेरी भारत ना.	बी.ए.	हिंदी/इतिहास	–
२९.	श्री. पाटील अशोक कृ.	बी.ए.	हिंदी/इतिहास	–
३०.	श्री. कोळी बाळू आ.	बी.ए.	हिंदी/इतिहास	–
३१.	श्री. डगले नारायण शां.	बी.ए.	हिंदी/भूगोल	–

५] अध्यापक महाविद्यालय का नाम :- कल्पवृक्ष शिक्षणशास्त्र महाविद्यालय, जयसिंगपूर.

अनुक्रम	छात्रशिक्षक का नाम	शैक्षिक पात्रता	अध्यापन विधि	अनुभव
३२.	श्री. पंडित हणमंत मा.	बी.ए.	हिंदी/इतिहास	-
३३.	कु. देवाळे संघदा शं.	बी.ए.	हिंदी/इतिहास	-
३४.	श्री. चव्हाण सुनिल म.	बी.ए.	हिंदी/भूगोल	-
३५.	श्री. पाचंगे भिकाजी बा.	एम.ए. [इंग्रजी]	इंग्रजी/हिंदी	-
३६.	श्री. बैराट जनार्दन आ.	एम.ए.	हिंदी/इतिहास	-

६] अध्यापक महाविद्यालय का नाम :- छ. शिवाजी शिक्षणशास्त्र, महाविद्यालय, रत्नहळी.

अनुक्रम	छात्रशिक्षक का नाम	शैक्षिक पात्रता	अध्यापन विधि	अनुभव
३७.	कु. मोरे सुजाता आ.	बी.ए.	हिंदी/इतिहास	-
३८.	श्री. केंगार मुकुंद म.	बी.ए.	हिंदी/इतिहास	-
३९.	कु. दिवे शारदा आ.	बी.ए.	हिंदी/इतिहास	-
४०.	कु. पुजारी लता म.	बी.ए.	हिंदी/इतिहास	-
४१.	कु. हाबळे भारती रा.	बी.ए.	हिंदी/अर्थशास्त्र	-

अनुक्रम	छात्रशिक्षक का नाम	शैक्षिक पात्रता	अध्यापन विधि	अनुभव
४२.	श्री. पोवार शिवाजी भि.	एम.ए.	हिंदी/इतिहास	-
४३.	श्री. शिंदे बाबासो ग.	बी.ए.	हिंदी/भूगोल	-
४४.	कु. माने माधुरी बा.	बी.ए.	हिंदी/इतिहास	-
४५	श्री. पाटील सुभाष ना.	बी.ए.	हिंदी/अर्थशास्त्र	-
४६.	श्री. देशमुख अनिल बा.	बी.ए.	हिंदी/इतिहास	-
४७.	श्री. म्हस्के सुनिल ए.	बी.ए.	हिंदी/इतिहास	-
४८.	श्री. पाटील शिवाजी ना.	एम.ए.	हिंदी/भूगोल	-

७] <u>अध्यापक महाविद्यालय का नाम</u> :- इचलकरंजी शिक्षणशास्त्र महाविद्यालय, इचलकरंजी.

अनुक्रम	छात्रशिक्षक का नाम	शैक्षिक पात्रता	अध्यापन विधि	अनुभव
४९.	श्री. कदम विजय शि.	बी.ए.	हिंदी/इतिहास	-
५०.	श्री. कांबळे बळीराम बा.	बी.ए.	हिंदी/इतिहास	-
५१.	कु. कायकुळे दिपाली म.	बी.ए.	हिंदी/इतिहास	-
५२.	श्री. नस्टे महादेव बि.	बी.ए.	हिंदी/इतिहास	-
५३.	श्री. नागणे सुनिल धों	बी.ए.	हिंदी/भूगोल	-

अनुक्रम	छात्रशिक्षकका नाम	शैक्षिक पात्रता	अध्यापन विधि	अनुभव
५४.	श्री.हाडमोडे विकास ध.	बी.ए.	हिंदी/इतिहास	-
५५.	कु.ताटे सुभद्रा शां.	बी.ए.	हिंदी/इतिहास	-
५६.	श्री.नलबडे संजय आ.	बी.ए.	हिंदी/इतिहास	-

८] <u>अध्यापक महाविद्यालय का नाम</u> :- जागृति शिक्षणशास्त्र महाविद्यालय, गडहिंग्लज.

अनुक्रम	छात्रशिक्षक का नाम	शैक्षिक पात्रता	अध्यापन विधि	अनुभव
५७.	श्री.पाटील आप्पासो श्री.	बी.ए.	हिंदी/अर्थशास्त्र	-
५८.	श्री. धनवडे विठ्ठल सा.	बी.ए.	हिंदी/इतिहास	-
५९.	कु.नांदवडेकर सुजाता द.	बी.ए.	हिंदी/इतिहास	-
६०.	कु.इनामदार वर्षा गो.	एम.ए.	हिंदी/इतिहास	-
६१.	सौ.वैद्य शकुंतला ल.	बी.ए,डी.एड.	हिंदी/इतिहास	५ वर्ष
६२.	श्री.सावंत शिवाजी बि.	बी.ए.	हिंदी/इतिहास	-

९] <u>अध्यापक महाविद्यालय का नाम</u> :- कॉलेज ऑफ एज्युकेशन, पेठ-वडगांव

९] अध्यापक महाविद्यालय का नाम :- कॉलेज ऑफ एज्युकेशन,
पेठ वडगाव.

अनुक्रम	छात्रशिक्षक का नाम	शैक्षिक पात्रता	अध्यापन विधि	अनुभव
६३.	श्री. कुंभार सतीष वि.	बी.ए.	हिंदी/भूगोल	-
६४.	कु. सावंत संगीता शि.	बी.ए.	हिंदी/इतिहास	-
६५.	श्री. खरटमोल मदन ना.	एम.ए.	हिंदी/भूगोल	-
६६.	श्री. जाधव संभाजी र.	बी.ए.	हिंदी/भूगोल	-
६७.	श्री. टाकले बी.एस.	बी.ए.	हिंदी/इतिहास	-
६८.	कु. खोत धनश्री न.	बी.ए.	हिंदी/इतिहास	-

१०] अध्यापक महाविद्यालय का नाम :- कै. हणमंतराव उर्फ बाळासाहेब ग. खराडे,
शिक्षणशास्त्र महाविद्यालय,
कोल्हापूर.

अनुक्रम	छात्रशिक्षक का नाम	शैक्षिक पात्रता	अध्यापन विधि	अनुभव
६९.	खराडे संगीता दत्ताजीराव	एम.ए.	हिंदी/इतिहास	-
७०.	श्री. वाणारे वा. द.	बी.ए.	हिंदी/इतिहास	-
७१.	बणाजे त्र्या. रा.	बी.ए.	हिंदी/इतिहास	-
७२.	श्री. लाटे अ. वि.	एम.ए.	हिंदी/इतिहास	-

अनुक्रम	छात्रशिक्षक का नाम	शैक्षिक पात्रता	अध्यापन विधि	अनुभव
७३.	वागवेकर सं.बा.	बी.ए.	हिंदी/इतिहास	-
७४.	सोनटक्के डुं.जी.	एम.ए.	हिंदी/इतिहास	-
७५.	पाटील बि. ग.	बी.ए.	हिंदी/इतिहास	-
७६.	पाटील आ.य.	बी.ए.	हिंदी/इतिहास	-

११] अध्यापक महाविद्यालय का नाम :- टि कागल एज्युकेशन कॉलेज, कागल.

अनुक्रम	छात्रशिक्षक का नाम	शैक्षिक पात्रता	अध्यापन विधि	अनुभव
७८.	श्री.कांबळे शिवाजी हि.	बी.ए.	हिंदी/ इतिहास	-
७९.	श्री.धनगर राजेंद्र ब.	बी.ए.	हिंदी / ,,	-
८०.	श्री.गडहिरे बाळू कृ.	बी.ए.	,, ,,	
८१.	श्रीमती कोल्हापूरे शा.ना.	बी.ए.	,, ,,	
८२.	श्रीमती चिंदरकर भा.अ.	बी.ए.	,, ,,	
८३.	श्री.सुतार जा.वि.	बी.ए.	,, ,,	
८४.	श्री.सावंत अजित बंडू	बी.ए.	,, ,,	

१] कुल बी.ए.स्नातक संख्या : ५४

२] कुल एम.ए.स्नातकोत्तर संख्या : ३०

कुल संख्या ८४

:: परिशिष्ट - ब - ::

साक्षात्कार के लिए उपलब्ध हुये अध्यापक विद्यालयों के अध्यापकों की सूची :-

अनुक्रम	अध्यापक का नाम एवं महाविद्यालय का नाम	शैक्षिक पात्रता	अनुभव
१.	प्रा.सुश्री स्मिता सु.देशपांडे, कै. हणमंतराव उर्फ बाळासाहेब ग. खराडे अध्यापक महाविद्यालय, कोल्हापूर.	एम.ए., एम.एड. राष्ट्रभाषा पंडित.	८ वर्ष
२.	प्रा.सुश्री राजश्री उमेश देशपांडे, श्रीमती महाराणी ताराराणी अध्यापक महाविद्यालय, कोल्हापूर.	एम.ए., एम.एड.	४ वर्ष
३.	प्रा.सुश्री हेमा गंगातीरकर, सावित्रीबाई फुले महिला शिक्षणशास्त्र महाविद्यालय, कोल्हापूर.	एम.ए., एम.एड	३ वर्ष-बी.एड. १२ वर्ष ज्युनि. कॉलेज, ३ वर्ष सेकेंडरी स्कूल.
४.	प्रा.सुश्री संध्या बळवंत देशपांडे, वसंतराव नाईक शिक्षणशास्त्र महाविद्यालय, कोल्हापूर.	एम.ए., एम.एड.	३ वर्ष
५.	श्री.सुश्री एन.एम.शेख, कल्पवृक्ष शिक्षणशास्त्र महाविद्यालय, जयसिंगपूर, कोल्हापूर	एम.एड.	१ वर्ष

अनुक्रम	अध्यापक का नाम एवं महाविद्यालय का नाम	शैक्षिक पात्रता	अनुभव
६.	प्रा.सुश्री सुनिता सुरेश लकाडे, टि कागल एज्युकेशन कॉलेज, कागल.	एम.एड.	दो वर्ष
७.	प्रा.सुश्री वासंती रामचंद्र म्हात्रे, कॉलेज ऑफ एज्युकेशन, पेठवडगाव, जि. कोल्हापूर.	एम.एड	५ वर्ष [४ साल सेकेंडरी हायस्कूल]
८.	प्रा.श्री संभाजी मा. भोसले, इचलकरंजी शिक्षणशास्त्र महाविद्यालय, इचलकरंजी, जि- कोल्हापूर.	एम.एड.	६ वर्ष
९.	प्रा.श्री.एस.एच.भोसले, छ.शिवाजी शिक्षणशास्त्र महाविद्यालय, रुकडी, जि- कोल्हापूर.	एम.ए.,एम.एड	२ वर्ष, ८ साल सेकेंडरी हाय-स्कूल.
१०.	प्रा.श्री सदाशिव बाळकृष्ण रक्ताडे, यशवंत शिक्षणशास्त्र महाविद्यालय, कोडोली, जि- कोल्हापूर.	एम.ए,,एम.एड	२ वर्ष

परिशिष्ट - क

प्रश्नावली भरकर प्रतिसाद देनेवाले माध्यमिक हिंदी भाषाध्यापकों की सूची -

अनुक्रम	नाम व पता	शैक्षिक पात्रता	अनुभव
१.	श्री. एस.ए.खटकोळे, ए.बी.मगदूम हायस्कूल, व ज्यूनि, कॉलेज, माणगांव, ता-हातकणंगले, जि- कोल्हापूर.	बी.ए.बी.एड.	१ वर्ष
२.	गणेश शिवाजी नागटिळक, आदर्श विद्यामंदीर प्रशाला, मंगळवार पेठ, सोलापुर.	बी.ए.बी.एड.	१ वर्ष
३.	कोठावळे विनोद जी. ए.जी.शाहा विद्यामंदिर, बाहुबली, जयसिंगपुर	बी.ए.बी.एड.	१ वर्ष
४.	मुजावर नसीम अ. साधना हायस्कूल, गडहिंग्लज, जि- कोल्हापुर.	एम.ए.बी.एड.	१ वर्ष
५.	रविंद्र तुकाराम पवार, डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर बहुउद्देशीय संस्था संचलित, मलिकपेठ, विद्यालय, मलिकपेठ, ता-मोहोळ, जि- सोलापुर	बी.ए.बी.एड	१ वर्ष
६.			

अनुक्रम	नाम व पता	शैक्षिक पात्रता	अनुभव
६.	बाबुराव खोपडे किसनवीर अहिर महाविद्यालय, वाई, जि- सातारा.	एम.ए.बी.एड.	२ वर्ष
७.	सौ. काटकर जी.एम. बी.टी. सहानी नवीन हिंद हायस्कूल, भवानी पेठ, पुणे.	एम.ए.बी.एड	१ वर्ष
८.	पाटील भगवंत भी. न्यू इंग्लीश स्कूल, नेसरी, जि- कोल्हापूर.	बी.ए.बी.एड.	१ वर्ष

:: परिशिष्ट - अ-१ ::

हिंदी अध्यापन विधि का प्रथम अध्यापन पद्धति के रूप मे चयन करनेवाले छात्राध्यापकों के लिए प्रश्नावली -

अनुसंधान विषय :- " अध्यापक महाविद्यालयों में सीखाये जानेवाली हिंदी अध्यापन विधि के पाठ्यक्रम तथा कार्यनीति का चिकित्सात्मक अध्ययन।"

प्रश्नावली की पूर्ति के लिए सूचनाएँ :-

१. कई प्रश्नों के आगे " हाँ / नहीं " स्वरूप के दो पर्याय है। उनमें से आपको उचित पर्याय रखना है तथा अनुचित पर्याय पर [x] यह चिन्ह लगाना है।

२. कई प्रश्नों में कारण या विधान दिये गये है। योग्य कारण या विधानों के आगे [ ] इस स्वरूप के स्थान में आपको [✓] यह चिन्ह लगाना है।

३. कई प्रश्नों के प्रतिसाद में कारणों, विधानों या त्रुटियों के अलावा ज्यादा जानकारी देनी हो तो उक्त प्रश्न के नीचे रिक्त जगह में संक्षेप में जानकारी लिखिए।

xxxxxxxxxxxxxx

I] छात्राध्यापक का नाम :

II] महाविद्यालय का नाम :
एवं पता।

III] शैक्षिक पात्रता :

IV] बी.एड. के लिए चयन :
की गयी अध्यापन पद्धतियाँ

V] अध्यापन अनुभव :

xxxxxxxxxx

छात्राध्यापकके लिए प्रश्नावली

" विभाग - अ - "

[सैद्धांतिक पाठ्यक्रम से संबंधित प्रश्न सूची]

प्रश्न १ : प्रचलित हिंदी अध्यापन विधि का पाठ्यक्रम सक्षम अध्यापक बनने में कितने हदतक उपयुक्त है ?
[जिस बयाँ से आप सहमत है, उसपर [✓] यह चिह्न अंकित कीजिए -]

[अत्यधिक उपयुक्त, उपयुक्त, यथा तथा, अल्प स्वल्प, अत्यल्प स्वल्प.]

प्रश्न २ : अगर आप के मत में प्रचलित पाठ्यक्रम अनुपयुक्त है, तो नीचे अनुपयुक्तता के पक्ष में कई कारण दिये है, उनमें से आप जिन कारणों से सहमत हो उसके आगे [✓] यह चिह्न अंकित कीजिए -

१] सैद्धांतिक पाठ्यक्रम में हम जो सीखते है, वह भविष्य में प्रत्यक्ष अध्यापन में पूर्णस्वरूप काम में नही ला सकते। [ ]

२] समय अभाव होने से न सब घटकों का अध्ययन किया जाता है, न अध्यापन होता है। [ ]

३] सैद्धांतिक पाठ्यक्रम का सहसंबंध प्रत्यक्ष अध्यापन कार्य से कैसे जोडा जाता है, इसके बारें में कोई मार्गदर्शन नहीं मिलता। [ ]

४] सैद्धांतिक पाठ्यक्रम का अध्ययन सिर्फ परीक्षा में अच्छे अंक की प्राप्ती के लिए किया जाता है। [ ]

५] पाठ्यक्रम बहुत ही ज्यादा है, अत: उसे कम किया जाये। [ ]

६] सफल अध्यापक होना स्वयं के गुणों पर निर्धारित करता है, अत: पाठ्यक्रम का स्थान ज्यादा महत्वपूर्ण नहीं है। [ ]

२.१ : अगर इनके अलावा अन्य कारण हो तो उन्हें रिक्त स्थान में लिखिए।

प्रश्न ३ : आप के मत से प्रस्तुत पाठ्यक्रम को ज्यादा उपयुक्त बनाने के लिए अन्य कौन से पाठ्य घटकों का समावेश किया जा सकता है ?

प्रश्न ४ : आप के मत से अनुचित पाठ्यघटक कौन से है ? उनका नाम एवं उपघटकों के नाम लिखिए –

_____

_____

प्रश्न ५ : प्रस्तुत पाठ्यक्रम घटक आप को अनुचित क्यों लगते है ? उनके कारण लिखिए –

_____

_____

प्रश्न ६ : आप के मत से अनुचित पाठ्य घटकों को निकालकर कौन से अन्य घटकों का समावेश उनकी जगह पर करना चाहिए ? क्यों ?

_____

_____

प्रश्न ७ : माध्यमिक पाठशाला के लिए निर्धारित हिंदी भाषाध्यापन के उद्देश्यों को सफल करने में प्रचलित पाठ्यक्रम के कौन से घटक पर्याप्त है ? उनके नाम लिखिए –

_____

_____

प्रश्न ८ : माध्यमिक पाठशाला के लिए निर्धारित हिंदी भाषाध्यापन के उद्देश्य सफल होने में जो घटक उपयुक्त नहीं लगते, उनके बारें में कारण दीजिए –

_____

_____

प्रश्न ९ : प्रस्तुत पाठ्यक्रम हिंदी अध्यापन विधि के लिए निर्धारित उद्देश्यों को सफलता दिलाने में क्या पर्याप्त है ?

[हाँ / नहीं]

९.१ : अगर आप के मत से प्रस्तुत पाठ्यक्रम अपर्याप्त है, तो उसके कौन से कारण हो सकते है ? इन कारणों को रिक्त स्थान में लिखिए –

_____

_____

प्रश्न १० : राष्ट्रभाषा के नाते हिंदी का अध्यापन करते समय कुछ अलग जिम्मेदारियाँ, अपेक्षाएँ है, इन्हे पूर्ण करने की दृष्टि से क्या प्रस्तुत पाठ्यक्रम पर्याप्त है ?

[हाँ / नहीं]

१०.१ : अगर है, तो उसके पक्ष में अपने मत लिखिए –

_____

_____

१०.२ : अगर नहीं तो उसके पक्ष में अपने मत लिखिए –

प्रश्न ११ : हिंदी भाषा का कुशल अध्यापक बनने हेतु क्या प्रस्तुत पाठ्यक्रम पर्याप्त है?

[हाँ / नहीं]

११.१ : अगर आप के मत से पाठ्यक्रम अपर्याप्त है, तो उसमें कौन से अन्य घटकों को समावेशित किया जा सकता है ?

११.२ : इन्हीं घटकों को आप क्यों समावेशित करना चाहते है और इनकी आवश्यकता क्यों लगती है ?

---

xxxxxxxxxxx

" <u>विभाग – ब</u> – "

[प्रत्यक्ष कार्य से संबंधित प्रश्न सूची]

प्रश्न १२ : प्रचलित हिंदी पाठ्यक्रम के निर्धारित प्रत्यक्ष कार्य की उपयुक्तता,

एक सफल अध्यापक बनने में कितने में कितने हदतक है ? [जिस पर्याय से आप सहमत है, उसपर [✓] यह चिह्न अंकित कीजिए]

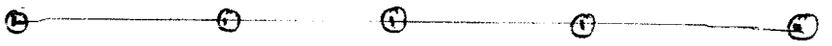

⊙————⊙ ⊙————⊙————⊙

[अत्यधिक उपयुक्त, उपयुक्त, यथा तथा, अल्प स्वरूप, अत्यल्प स्वरूप]

प्रश्न १३ : अगर आप के मत से प्रचलित प्रत्यक्ष कार्य अनुपयुक्त है, तो उसके कुछ कारण नीचे दिये है, उनमें से आप जिनसे सहमत हो उसके आगे [✓] यह चिह्न अंकित कीजिए -

१] प्रत्यक्ष कार्य द्वारा जो भी हम सीखते है, उसका प्रत्यक्ष अध्यापन में आचरण नहीं कर सकते। [ ]

२] समय का अभाव होने से अध्ययन घटकों का आचरण करना असंभव है। [ ]

३] पाठ्यक्रम का एक आवश्यक भाग की पूर्तता करना मानकर ही प्रत्यक्ष कार्य की कार्यशालाएँ अध्यापक महाविद्यालयों में संपन्न होती है। [ ]

४] प्रत्यक्ष कार्य की कार्यशालाओं से अर्जित ज्ञान का उपयोग प्रत्यक्ष अध्यापन में कैसे किया जाये, इस संबंध में मार्गदर्शन नहीं मिलता। [ ]

५] प्रत्यक्ष कार्य की कोई आवश्यकता ही नहीं, चूँकि " अध्यापन एक कला " है। [ ]

६] प्रत्यक्ष कार्य करते समय सिर्फ उसे पुरा करना तथा संस्मरण [रिपोर्ट] लिखना ही आवश्यक माना जाता है। छात्र-शिक्षकों में कौनसे परिवर्तन हुए इसका लेखा-जोखा नहीं किया जाता। [ ]

७] अध्यापकों का तथा छात्रशिक्षकों का प्रत्यक्ष कार्य के प्रति उदासीन दृष्टिकोन होता है। [ ]

१६.१ : इसके अलावा भी कोई अन्य कारण हो तो उन्हें रिक्त स्थान में लिखिए –

प्रश्न १७ : प्रत्यक्ष कार्य की कारवाई अच्छे प्रकार से होने के लिए किन बातों की आवश्यकता है ? [इसके संबंध में कई सूचनाएँ निम्नांकित है, उनमेंसे जिनसे आप सहमत हो उसके आगे [✓] यह चिह्न अंकित कीजिए –

१] बी.एड. प्रशिक्षण कालावधि दो वर्ष का किया जाये। [ ]

२] प्रत्यक्ष कार्य की पूर्णता के लिए महाविद्यालयों में उचित समय, जगह, साधनों की उपलब्धता हो। [ ]

३] प्रत्यक्ष कार्य की कारवाई प्रशिक्षित, सक्षम अध्यापक द्वारा ही हो। [ ]

४] प्रत्यक्ष अध्यापन में प्रत्यक्ष कार्य द्वारा संपन्न घटकों का [ ]
ज्ञान, कौशल कैसे आचरण में लाया जाये, इसके बारें में मार्ग-
दर्शन तथा अभ्यास [सराब] दिया जाये।

५] प्रत्येक प्रत्यक्ष कार्य संपन्न होते ही छात्रशिक्षकों में [ ]
अपेक्षित परिवर्तन का मूल्यांकन होना जरूरी है।

१७.१ : अगर इसके अलावा भी अन्य सूचनाएँ हो तो रिक्त स्थान में लिखिए -

---

प्रश्न १८ : प्रत्यक्ष कार्य द्वारा हिंदी अध्यापन विधि पाठ्यक्रम में निर्धारित उद्देश्यों की सफलता क्या पर्याप्त स्वरूप से होती है ?

[हाँ / नहीं]

१८.१ : अगर आप के मत से सफलता होती है तो कितने हदतक होती है ?
[कृपया जिस पर्याय से आप सहमत है, उसपर [✓] यह चिह्न अंकित
कीजिए -

[अत्यधिक स्वरूप से, अधिक स्वरूप से, यथा तथा, अल्प स्वरूपसे,
→⊙ अत्यल्प स्वरूप से]

प्रश्न १९ : आप के मतानुसार प्रत्यक्ष कार्य की प्रचलित कार्यान्विती द्वारा उद्देश्य असफल होते हो, उसके कौन से कारण हो सकते है ? [कृपया निम्नांकित

कारणों में से जिनसे आप सहमत हो, उसके आगे [✓] यह चिह्न अंकित कीजिए –

१] प्रत्यक्ष कार्य द्वारा कौन से उद्देश्य सफल होते है, इसके बारें में जानकारी नहीं है। [ ]

२] किन किन उद्देश्यों की सफलता अचूकता से कौन से प्रत्यक्ष कार्य द्वारा होती है, इसके बारें में अध्यापकों से मार्गदर्शन नहीं मिलता। [ ]

३] प्रत्यक्ष कार्य द्वारा कुछ हदतक अध्यापन क्षमताएँ तो आती है, लेकिन कौन से उद्देश्य पूर्ण होते है, इसके बारें में कह नहीं जा सकता। [ ]

४] "प्रत्यक्षकार्य घटक की आवश्यक स्वरूप परिपूर्ति " यही दृष्टिकोन अध्यापक तथा छात्रशिक्षकों का होने से उद्देश्यों की सफलता के संबंध में विचार ही नहीं होता। [ ]

१९.१ : अगर इसके अलावा भी अन्य कारण हो तो, उन्हें रिक्त स्थान में लिखिए –

_____

_____

प्रश्न २० : प्रचलित प्रत्यक्ष कार्य एवं उसकी कार्यनीति जिस पद्धति से संपन्न होती है, क्या एक कुशल हिंदी भाषाध्यापक बनने के लिए वह पर्याप्त है ?

[हाँ / नहीं]

२०.१ : उपर्युक्त विषय के संबंध में अपने सुझाव नीचे लिखिए –

_____

_____

प्रश्न २१ : प्रत्यक्ष कार्य का साधन करने की मूल्यांकन प्रणाली अर्थात प्रत्यक्ष कार्य की गुणदान पद्धति क्या आप के मत से योग्य है ?

[हाँ / नहीं]

२१.१ : अगर आप के मत से प्रचलित मूल्यांकन प्रणाली अयोग्य है, तो अन्य कौनसी पद्धति का आप सुझाव देंगे ?

_____

_____

प्रश्न २२ : इस अनुसंधान विषय की दृष्टि से अन्य महत्वपूर्ण पहलू भी हो सकते है, जिनका विवेचन उपर्युक्त प्रश्न सूची न आया हो परंतु इस अनुसंधान की दृष्टि से महत्वपूर्ण हो। इस के बारें में संक्षिप्त में सुझाव स्वरूप कुछ लिखना चाहे तो लिखिए –

_____

_____

आप के सहकार्य के लिए धन्यवाद

सुश्री भाकरे सुचरिता गोपालराव,
२१५८, "बी" बॉर्ड, मंगलवार पेठ,
कोल्हापुर - ४१६ ०१२
दिनांक :-

प्रिय अध्यापक,

सादर अभिवादन।

मै शिवाजी विश्वविद्यालय के शिक्षणशास्त्र विभाग में, "एम. फिल." स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के अंतर्गत अनुसंधान कर रही हूँ। इस उपाधि की अंशत: पूर्ति हेतु किसी शैक्षिक समस्या का अनुसंधान करना पडता है। मैनें अनुसंधान के लिए निम्नांकित समस्या का चयन किया है।

" अध्यापक महाविद्यालयों में सीखाये जानेवाली हिंदी अध्यापन विधि के पाठ्यक्रम तथा कार्यनीति का चिकित्सात्मक अध्ययन "

प्रस्तुत अनुसंधान कार्य डॉ. रा. भा. देवस्थली, विभागप्रमुख, शिक्षाशास्त्र, विभाग, शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर के मार्गदर्शन में संपन्न हो रहा है।

अनुसंधान कार्य के लिए अध्यापकों से साक्षात्कार करना है। उसके लिए साक्षात्कार प्रश्नसूची मैंने तैयार की है। आप के ज्ञान का अध्यापक महाविद्यालय में कार्य के अनुभव का लाभ मेरे अनुसंधान कार्य के लिए होगा, इसी उद्देश्य से मैं आप से साक्षात्कार करने आई हूँ। अत: सविनय प्रार्थना है कि, आप इस प्रश्नसूची को पूर्ण लिखकर मुझे उपकृत करें।

मै आप को विश्वास दिलाति हूँ कि, आप द्वारा दी गयी जानकारी का उपयोग सिर्फ अनुसंधान कार्य के लिए ही किया जायेगा।

धन्यवाद।

आपकी कृपाभिलाषि,

[ब्रा. एस. जी. भाकरे]

" परिशिष्ट - ब - २ "

अध्यापक महाविद्यालयीन हिंदी अध्यापकों के लिए साक्षात्कार प्रश्नावली

अनुसंधान विषय :-

" अध्यापक महाविद्यालयों में सिखाये जानेवाली हिंदी अध्यापन विधि के पाठ्यक्रम तथा कार्यनीति का चिकित्सात्मक अध्ययन ।"

प्रश्नावली की पूर्ति के लिए सूचनाएँ :-

१] कई प्रश्नों के आगे " हाँ / नहीं " स्वरूप के दो पर्याय है। उनमें से आपको उचित पर्याय रखना है तथा अनुचित पर्याय पर [✗] यह चिन्ह लगाना है।

२] कई प्रश्नों में कारण या विधान दिये गये है। योग्य कारण या विधानों के आगे आप को [✓] यह चिह्न लगाना है।

३] कई जगह कारणों, विधानों या त्रुटियों के अलावा ज्यादा जानकारी देनी हो तो उक्त प्रश्न के नीचे रिक्त जगह में संक्षेप में जानकारी लिखिए -

xxxxxxxxxxxxx

I] अध्यापक का नाम :

II] महाविद्यालय का नाम :
व पता।

III] शैक्षिक पात्रता :

IV] हिंदी अध्यापन से संबंधित :
अन्य परीक्षाएँ।
[अदा.- हिंदी शिक्षक,
सनद, कोविद इ.]

V] अध्यापक महाविद्यालय में :
अध्यापन अनुभव।

xxxxxxxxxxxxxxx

" अध्यापक साक्षात्कार प्रश्न सूची "

विभाग "अ"

[सैद्धांतिक विभाग से संबंधित प्रश्न सूची]

प्रश्न १ : प्रचलित हिंदी अध्यापन विधि का सैद्धांतिक पाठ्यक्रम एक कुशल एवं सफल अध्यापक बनने हेतु आप के मत से कितने हदतक उपयुक्त है ?
[जिस पर्याय से आप सहमत है, उसपर [✓] यह चिह्न अंकित कीजिए -]

① ② ③ ④ ⑤

[अत्यधिक उपयुक्त, उपयुक्त, यथा तथा, अल्प स्वरूप, अत्यल्प स्वरूप]

प्रश्न २ : अगर आप के मत में यह पाठ्यक्रम अनुपयुक्त है, तो उसके पक्ष में नीचे विधान दिये गये है। इन विधानों में से जिनसे आप सहमत हो, उसके

आगे [✓] यह चिह्न अंकित कीजिए -

१] नीजि अध्यापन में सभी आशय घटकों की उपयुक्तता नहीं है। [ ]

२] प्रत्यक्ष अध्यापन कार्य में जो समस्याएँ आती है, उसके लिए सैद्धांतिक पक्ष मदद नहीं करता। [ ]

३] प्रस्तुत पाठ्यक्रम के कई आशय घटक अनावश्यक है। [ ]

४] परीक्षा में पास होने के लिए निर्धारित अंको की तुलना में पाठ्यक्रम ज्यादा लगता है। [ ]

५] प्रत्यक्ष कार्य की कार्यनीति तथा छात्र अध्यापन कार्य से सैद्धांतिक घटकों का ज्ञान किस तरह संबंधित है, इसके बारे में मार्गदर्शन नहीं मिलता। [ ]

६] सैद्धांतिक पाठ्यक्रम का अध्ययन छात्रशिक्षक सिर्फ परीक्षा के लिए करते है। प्रत्यक्ष अध्यापन कार्य से उसका कोई संबंध नहीं है। [ ]

२.१ : इसके अलावा अन्य कोई मत हो, नीचे लिखिए -

_____

_____

प्रश्न ३ : प्रस्तुत पाठ्यक्रम को उपयुक्त बनाने हेतु कौन से सुझाव सुधार स्वरूप के लिए देंगे ?

प्रश्न ४ : सैद्धांतिक घटकों द्वारा पाठ्यक्रम के लिए निर्धारित उद्देश्यों की सफलता होती है या नहीं ?

[हाँ / नहीं]

* यदि होती है, तो कितने हदतक ?

[कृपया जिस पर्याय से आप सहमत है, उस पर [✓] यह चिन्ह अंकित कीजिए –]

[अत्यधिक, अधिक, यथा-तथा, अल्प स्वरूप, अत्यल्प स्वरूप]

प्रश्न ५ : अगर आप के मत में पाठ्यक्रम के उद्देश्य असफल होते है, तो निम्नांकित पर्यायों में से जिनसे आप सहमत हो, उसके आगे [ ] यह चिन्ह लगाईए।

१] छात्रशिक्षक में अपेक्षित परिवर्तन लाने के लिए प्रस्तुत सैद्धांतिक पाठ्यक्रम अपर्याप्त है। [ ]

२] छात्रशिक्षक परीक्षा में ज्यादा अंक प्राप्त करने के लिए ही पाठ्यक्रम का अध्ययन करते है। [ ]

३] सैद्धांतिक भाग के अध्ययन का उपयोग प्रत्यक्ष अध्यापन कार्य [ ]
में छात्रशिक्षक नहीं करते।

४] नीचे अध्यापन में सैद्धांतिक भाग का उपयोग कैसे करे, [ ]
इसका कोई मार्गदर्शन या दिशा नहीं दिखाई देती।

५] प्रस्तुत पाठ्यक्रम में, इस मूल्यांकन प्रणाली का अभाव है कि, [ ]
एक विशिष्ट घटक से विशेष उद्देश्य सक्त होता है, इस
तरह का तौलनिक मूल्यांकन कैसे करें।

६] उद्देश्य सक्त भी होते है, तो ठोस परिमाणों का [ ]
अभाव है।

५.१ : इन पर्यायों के अलावा आप के मत में अन्य कोई कारण हो तो नीचे
लिखिए –

_____

_____

प्रश्न ६: इस पाठ्यक्रम के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए आप के मत में अन्य कौन
से आशय घटकों का समावेश पाठ्यक्रम में किया जा सकता है ?
(कृपया आप के सुझाव नीचे लिखिए –]

_____

_____

प्रश्न ७ : हिंदी अध्यापक को कुशल एवं क्षमतापूर्ण बनाने हेतु क्या सैद्धांतिक पाठ्यक्रम एवं उसकी कार्यनीति में परिवर्तन लाना आवश्यक है ?

[हाँ / नहीं]

७.१ : अगर आप के मत में " हाँ आवश्यक है " तो निम्नांकित में से जिस मत से आप सहमत है, उसके आगे [✓] यह चिह्न अंकित कीजिए।

१] कई घटकों का अध्यापन सैद्धांतिक पद्धति के साथ प्रत्यक्ष कार्य का अवलंब करते हुए होना चाहिए। [ ]

२] सैद्धांतिक भाग का अध्यापन अपनी पद्धति से करने की स्वतंत्रता हर अध्यापक को हो। [ ]

३] यह पाठ्यक्रम छात्राध्यायीं के लिये परीक्षामें अंक प्राप्ति की तुलना में ज्यादा मात्रा में है। अत: इसको घटाना चाहिए। [ ]

४] कई घटकों का अध्यापन न करते हुए उन पर सिर्फ "निबंध लेखन" कार्यशाला का आयोजन हो। [ ]

५] "निबंध लेखन" के घटक " विश्वविद्यालय " द्वारा निर्धारित किये जाए एवं उनपर परीक्षा में प्रश्न न पूँछे जाये। [ ]

७.२ : उक्त परिवर्तन के लिए आप अपने अन्य सुझाव नीचे लिखिए -

_____

_____

" विभाग - ब - "

[प्रत्यक्ष कार्य तथा कार्यनीति के संबंध में प्रश्न सूची]

प्रश्न ८ : प्रचलित हिंदी पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्यक्ष कार्य व कार्यनीति एक सफल एवं कुशल अध्यापक बनने हेतु आप के मत से कितने हदतक उपयुक्त है ?

[जिस पर्याय से आप सहमत है, उस पर [✓] यह चिह्न अंकित कीजिए -]

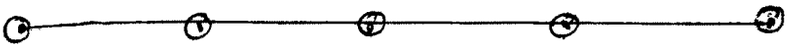

[अत्यधिक उपयुक्त, उपयुक्त, यथा तथा, अल्प स्वरूप, अत्यल्प स्वरूप]

प्रश्न ९ : अगर आप के मत में इस पाठ्यक्रम का प्रत्यक्ष कार्य अनुपयुक्त है, तो उस के पक्ष में नीचे विधान दिये गये है। इन विधानों में से जिन से आप सहमत हो, उसके आगे [✓] यह चिह्न अंकित कीजिए -

१] प्रत्यक्ष कार्य की उपयुक्तता, नीजि अध्यापन कार्य में नहीं [ ]
होती।

२] प्रत्यक्ष कार्य में जिन घटक की आपूर्ति होती है, उनसे छात्रों को प्रत्यक्ष अध्यापन करते समय कोई मदद नहीं मिली। [ ]

३] प्रत्यक्ष कार्य की कार्यनीति एवं परिपूर्ति सिर्फ एक संस्कार स्वरूप होने से उसका आचरण छात्रशिक्षक नहीं करते। [ ]

४] पाठ्यक्रम का अनिवार्य भाग मानकर मात्र उसे अध्यापक महाविद्यालयों में पूर्ण किया जाता है। [ ]

५] प्रत्यक्ष कार्यद्वारा आत्मसात ज्ञान को नीजि अध्यापन में कैसे लाया जाये, इसके बारें में कोई मार्गदर्शन नहीं मिलता। [ ]

१.१ : इसके अलावा अन्य कोई मत हो तो नीचे लिखिए -

प्रश्न १० : प्रत्यक्ष कार्य की आयोजना सिर्फ अच्छी हो यह काफी नहीं, बल्कि उसकी कार्यनीति भी अच्छी होना आवश्यक है। आज जिस पद्धति से प्रत्यक्ष कार्य की कार्यनीति होती है, उससे भी अधिक अच्छे ढंग से क्या उसे कार्यान्वित किया जा सकता है ?

[हाँ / नहीं]

१०.१ : प्रत्यक्ष कार्य की कार्यनीति का कार्यान्वितिकरण क्या अलग तरह से हो सकता है ? अगर होता हो, तो कृपया उसके बारे में सूचनाएँ दीजिए –

अ] सूक्ष्माध्यापन – प्रत्यक्ष कार्य :-

ब] आशययुक्त अध्यापन कार्य :-

क] आशय अभ्यास पाठ [सराब पाठ] :-

ड] मूल्यांकन पद्धति – कृतिसत्र कार्य :-

प्रश्न ११ : प्रत्यक्ष कार्य द्वारा हिंदी पाठ्यक्रम में निर्धारित उद्देश्यों की सफलता क्या पर्याप्त स्वरूप से होती है ?

[हाँ / नहीं]

११.१ : अगर आप के मत में सफलता होती हो तो कितने हदतक होती है ?

[कृपया किसी एक बिंदु पर [✓] यह चिह्न अंकित कीजिए]

[अत्यधिक स्वरूप में, अधिक स्वरूप में, यथा तथा, अल्प स्वरूप में,
→ ⊙ अत्यल्प स्वरूप में]

प्रश्न १२: अगर आप के मत में प्रचलित प्रत्यक्ष कार्य की कार्यनीति द्वारा उद्देश्य असफल होते हो तो उनके कौन से कारण हो सकते है ?
[निम्नांकित कारणों में से जिस कारण से आप सहमत हो, उसके आगे [✓] यह चिह्न अंकित कीजिए :-

१] प्रत्यक्ष कार्य की पूर्ति करने में समय, जगह एवं साधनों का अभाव है। [ ]

२] छात्रशिक्षक अपेक्षित परिवर्तन नहीं दिखा सकते, क्योंकि, उनमें क्षमताओं का अभाव होता है। [ ]

३] छात्रशिक्षक पाठ्यक्रम का आवश्यक भाग मानकर उसे पूर्ण करते है। आचरण में लाने का प्रयास नहीं करते। [ ]

४] यद्यपि अध्यापन एक कला है, अत: इतनी मात्रा में प्रत्यक्ष कार्य की जरूरी नहीं। [ ]

५] उद्देश्यों का निर्धारण एवं प्रत्यक्ष कार्य की योजना का परस्पराबलंबित्व दिखाई नहीं देता। [ ]

६] प्रत्यक्ष कार्य की आपूर्ति के बाद प्रशिक्षणार्थियों में [ ]
अपेक्षित परिवर्तन तथा उसके संदर्भ में उद्देश्यों की
सफलता, इसकी मूल्यांकन पद्धति [प्रणाली] का
अभाव है।

१२.१ : अगर इसके अलावा भी अन्य कोई मत हो तो नीचे लिखिए –

_____

_____

प्रश्न १३: "हिंदी अध्यापन विधि" पाठ्यक्रम के निर्धारित उद्देश्यों को आत्मसात करने की दृष्टि से प्रचलित प्रत्यक्ष सराव कार्य पर्याप्त बनाने हेतु आप के मत से अन्य कौन से प्रत्यक्ष कार्य को समावेशित किया जा सकता है ? कृपया अपने सुझाव लिखिए –

_____

_____

प्रश्न १४: इस अनुसंधान विषय की दृष्टि से अन्य महत्वपूर्ण पहलू भी हो सकते है, जिनका विवेचन उपर्युक्त प्रश्नसूची में न आया हो। परन्तु इस अनुसंधान की दृष्टि से महत्वपूर्ण हो। इस के बारे में नीचे संक्षिप्त में सुझाव स्वरूप कुछ लिखना चाहें तो लिखिए –

_____

_____

आप के सहकार्य लिए धन्यवाद.

सुश्री भाकरे सुचरिता गोपालराव,
२१५८, "बी" वॉर्ड, मंगलवार पेठ,
कोल्हापुर - ४१६ ०१२
दिनांक :

प्रिय अध्यापक,

सादर अभिवादन।

मैं शिवाजी विश्वविद्यालय के शिक्षा-शास्त्र विभाग में " एम. फिल." स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के अंतर्गत अनुसंधान कर रही हूँ। इस उपाधि की अंशत: पूर्ति हेतु किसी शैक्षिक समस्या का अनुसंधान करना पडता है। मैंने अनुसंधान के लिए निम्नांकित समस्या का चयन किया है।

" अध्यापक महाविद्यालयों में सीखाये जानेवाली हिंदी अध्यापन विधि के पाठ्यक्रम तथा कार्यनीति का चिकित्सात्मक अध्ययन।"

प्रस्तुत अनुसंधान कार्य, डॉ. रा.भा.देवस्थली, विभागप्रमुख, शिक्षाशास्त्र विभाग, शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर के मार्गदर्शन में संपन्न हो रहा है।

अनुसंधान कार्य के लिए सेवारत हिंदी भाषाध्यापक [सेकंडरी स्कूल के] से प्रश्नावली संपन्न करती है। आपने प्रचलित १९९२-९३ का बी.एड. पाठ्यक्रम संपन्न किया है। इसीलिए मैंने आप को प्रस्तुत प्रश्नावली देकर अनुसंधान कार्य के लिए आप के अनुभव का लाभ प्राप्त करने हेतु आप का चयन किया है। अत: सविनय प्रार्थना है कि, आप इस प्रश्नावली को पूर्ण लिखकर मुझे उपकृत करें।

मैं आप को विश्वास दिलाती हूँ कि आप द्वारा दी गयी जानकारी का उपयोग सिर्फ अनुसंधान कार्य के लिए ही किया जायेगा।

धन्यवाद।

आपकी कृपाभिलाषि,

[कु. एस.जी.भाकरे]

ता. क्र. :-

१ प्रश्नावली और हिंदी अध्यापन विधि के पाठ्यक्रम की १ झेरॉक्स कॉपी दी है।

" परिशिष्ट - क - ३ "

माध्यमिक हिंदी अध्यापक के लिए प्रश्नावली -

अनुसंधान विषय :-

" अध्यापक महाविद्यालयों में सीखाये जानेवाली हिंदी अध्यापन विधि के पाठ्यक्रम तथा कार्यनीति का चिकित्सात्मक अध्ययन।"

प्रश्न सूची की परिपूर्ति के लिए सूचनाएँ।

१] कृपया प्रश्न सूची के सभी प्रश्नों की पूर्ति कीजिए -

२] अगर आप को लगे कि, आप के समुचित उत्तर के लिए रिक्त जगह कम है, तो अलग कागज पर प्रश्न क्र. लिखकर उसके नीचे अपना उत्तर लिखिए -

३] कृपया पंद्रह दिन के अंदर यह प्रश्न सूची मेल से भेज दीजिएगा -

xxxxxxxxxxx

I] अध्यापक का नाम :

II] शैक्षिक पात्रता :

III] नौकरी का पता :

IV] अध्यापन अनुभव :

xxxxxxxxxxx

" माध्यमिक हिंदी अध्यापक के लिए प्रश्न सूची "

प्रश्न १ : आप के.नी जि विषयाध्यापन में आप ने अध्यापक महाविद्यालय में जिस हिंदी पाठ्यक्रम का अध्ययन किया, क्या उसकी उपयुक्तता होती है ?

[हाँ / नहीं]

[कृपया आप जिस पर्याय से सहमत है, उसपर [✓] यह चिह्न अंकित कीजिए -]

प्रश्न २ : यदि हाँ तो किस प्रकार से ?

२.१ : सैद्धांतिक पाठ्यक्रम घटकों की उपयुक्तता नी जि अध्यापन में कैसे होती है ?

२.२ : प्रत्यक्ष कार्य के निहित घटकों की उपयुक्तता नी जि अध्यापन में कैसे होती है ?

प्रश्न ३ : अगर आप के मत से बी.एड. पाठ्यक्रम की उपयुक्तता नीचे अध्ययन में नहीं होती तो कैसे नहीं होती ? इस संबंध में कारण दीजिए –

_____

_____

_____

३.१ : सैद्धांतिक पाठ्यक्रम घटकों की अनुपयुक्तता कैसे है ?

_____

_____

_____

३.२ : प्रत्यक्ष कार्य के निहित घटकों की अनुपयुक्तता कैसे है ?

_____

_____

_____

प्रश्न ४ : माध्यमिक पाठशाला में निर्धारित हिंदी भाषाध्यापन के उद्देश्यों की परिपूर्ति कराने में तथा उनकी जानकारी दिलाने में प्रचलित बी.एड. का हिंदी अध्यापन विधि पाठ्यक्रम कितने हदतक उपयुक्त है ? [कृपया आप जिस पर्याय से सहमत है, उसपर [✓] यह चिह्न अंकित कीजिए –

[अत्यधिक उपयुक्त, उपयुक्त, यथा तथा, अल्प स्वरूप, अत्यल्प स्वरूप]

प्रश्न ४.१ : अगर उपयुक्त है तो कैसे ? इस बारें में अपने मत दीजिए –

_____

_____

_____

प्रश्न ४.२ : अगर अनुपयुक्त है, या कम उपयुक्त है, तो कैसे ? इस बारे में अपने मत दीजिए –

_____

_____

_____

प्रश्न ५ : माध्यमिक पाठशाला में निर्धारित उद्देश्यों की परिपूर्ति हो, इसलिए आप के मत से छात्रशिक्षकों को पाठ्यक्रम में किस तरह जानकारी दी जाये ? इस बारे में अपनी सूचनाएँ रिक्त स्थान में लिखिए –

_____

_____

_____

प्रश्न ६ : हिंदी विषय से संबंधित जो कार्यशालाएँ आपने संपन्न की, उसकी मदद नीचे अध्यापन में कैसे होती है ? इस बारें में अपने विचार रिक्त स्थान में लिखिए –

१] सूक्ष्माध्यापन कार्यशाला _____

_____

_____

२] आशययुक्त अध्यापन कार्यशाला -

_____

_____

३] मूल्यांकन कृतिसत्र / कार्यशाला -

_____

_____

प्रश्न ७ : प्रचलित हिंदी अध्यापन विधि पाठ्यक्रम जिसका आपने अध्ययन किया, क्या वह आपको एक सक्षम, कुशल हिंदी भाषाध्यापक बना सका है ?

[हाँ / नहीं]

[कृपया आप जिस बयाँ से सहमत हो उसपर [✓] यह चिह्न अंकित कीजिए -]

प्रश्न ८ : अगर आप एक कुशल, सक्षम भाषाध्यापक बने है, तो उस में पाठ्यक्रम का योगदान कैसे है ? इस बारे में अपने मत दीजिए -

_____

_____

_____

प्रश्न ९ : अगर प्रचलित पाठ्यक्रम कुशल एवं सक्षम अध्यापक बनाने में असक्षम ठहरता है, तो कैसे ? इस के कारण दीजिए =

_____

_____

प्रश्न १० : प्रचलित पाठ्यक्रम में क्या आप के मत से परिवर्तन लाना आवश्यक है ?

[हाँ / नहीं]

[कृपया आप जिस श्रेणी से सहमत है, उसपर [✓] यह चिह्न अंकित कीजिए -]

प्रश्न ११ : अगर आप के मत से परिवर्तन लाना आवश्यक है, तो कौन से परिवर्तन लाने चाहिए, इस बारें में अपनी सूचनाएँ दीजिए -

_____

_____

_____

आप के सहकार्य के लिए धन्यवाद.

परिशिष्ट - ड

:: हिंदी अध्यापन पद्धति ::

उद्देश्य : विद्यार्थी शिक्षकको :-

१] भारतीय जीवन, संस्कृती तथा शालेय पाठ्यक्रममें हिंदीका स्थान समझ लेने में सहाय करना।

२] माध्यमिक पाठशालामें दूसरी भाषा के रूपमें हिंदी सिखाने के उद्देश्योंको समझ लेनेमें मदत करना।

३] हिंदी की रचना तथा गठन संबंधी संकल्पनासे अवगत करना।

४] हिंदी का निर्धारित पाठ्यक्रम तथा पाठ्यपुस्तकोंको समझनेमें तथा उनकी आलोचना करनेमें समर्थ बनाना।

५] आशय विश्लेषण प्रणालीसे अवगत करना।

६] हिंदी शिक्षा की विभिन्न प्रणालियाँ, प्रयुक्तियासे अवगत करना और आशयुक्त अध्यापन प्रणालीकी संकल्पना समझ लेने में मदद करना।

७] कक्षानुसार तथा आशय के अनुसार भिन्न प्रणालीयों की योजना करना, सिखाना।

८] हिंदी शिक्षा में समुचित अनुभव तथा साधनों से परिचित करना।

९] हिंदी शिक्षा का नियोजन तथा व्यवस्थापनका कौशल्य अवगत करने में सहाय करना।

१०] हिंदी भाषा शिक्षा के विविध अंगो का अध्यापन करने की विधी से अवगत करना तथा क्षमता प्राप्त करने में मदद करना।

११] हिंदी भाषा मूल्यांकन प्रणालीसे अवगत करना।

१२] हिंदी भाषा शिक्षक के रूप में वांछनीय गुणों को समझ लेनेमें और गुणों को प्राप्त करने में मदद करना।

घटक -१ : पाठ्यक्रम में हिंदी का स्थान :-

अ] राष्ट्रभाषा और संपर्कभाषा के रूप में तथा महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक शाला पाठ्यक्रम में त्रिभाषा सूत्र के अनुसार हिंदी का स्थान एवं महत्व।

ब] हिंदी का अन्य विषयों से एवं अंतर्गत अनुबंध।

घटक-२ : हिंदी का रचना तथा गठन।

अ] मुख्य संकल्पना, सामान्यीकरण।

ब] कक्षानुसार हिंदी भाषा का ज्ञान।

घटक-३ : हिंदी पाठ्यक्रम एवं पाठ्यपुस्तकों का आलोचनात्मक अध्ययन।

अ] पाठ्यक्रम का महत्व तथा निर्माण के तत्व।

ब] महाराष्ट्र राज्य में विद्यमान माध्यमिक हिंदी पाठ्यक्रम का स्वरूप तथा आलोचनात्मक अध्ययन।

क] हिंदी पाठ्यपुस्तक की विशेषताएँ तथा उनका आलोचनात्मक अध्ययन।

ड] हिंदी अध्यापक हस्त पुस्तिका तथा स्वाध्याय पुस्तिका का आलोचनात्मक अध्ययन।

इ] आशय विश्लेषण : संकल्पना एवं प्रक्रिया।

घटक-४ : हिंदी शिक्षा की प्रणालियाँ तथा प्रयुक्तियाँ।

अ] हिंदी शिक्षा की प्रणालियाँ : स्वाभाविक प्रणाली, व्याकरण-अनुवाद प्रणाली, प्रत्यक्ष प्रणाली, डॉ. वेस्ट प्रणाली, गठन तथा रचना प्रणाली, समवायात्मक प्रणाली।

ब] अध्यापन प्रयुक्तियाँ : प्रश्न, विवरण, उदाहरण, नाटयीकरण, स्वाध्याय।

क] अध्यापन के सूत्र तथा तंत्र

घटक-५ : हिंदी शिक्षा के अनुभव तथा साधन :-

अ] हिंदी शिक्षा के अनुभव : श्रवण, लेखन, वाचन, भाषण, नाटयीकरण, विस्तार, अनुवाद, अभिव्यक्ती, मुखोद्गत करना।

ब] अध्यापन साहित्य और साधन : चित्र, तख्ता, मग्नेटिक तथा फ्लॅनेल फलक, काँच चित्र, टेपरेकॉर्डर, रेकॉर्ड प्लेअर, रेडिओ, टिव्ही, भाषा प्रयोगशाळा,

क] अभ्यासानुवर्ति कार्यक्रम : वादविवाद सभा, विविध प्रतियोगिताएँ, [वक्तृत्व, हस्ताक्षर, पाठांतर, निबंधलेखन, अंत्याक्षरी] हस्तलिखित प्रकाशन, भित्तिपत्रक, नाटयीकरण, पुस्तक प्रदर्शनी, हिंदी दिवस म मनाना।

घटक-६ : हिंदी शिक्षा का नियोजन तथा व्यवस्थापन।

अ] वार्षिक नियोजन।

ब] घटक नियोजन।

क] पाठयनियोजन-उद्देश्य- स्पष्टीकरण, आशय, शिक्षा अनुभव, साहित्य मूल्यमापन, स्वाध्याय।

ड] पाठयप्रकार : ज्ञानपाठ, रसग्रहण पाठ, सारसंग्रहण पाठ, निबंधलेखन पाठ, व्याकरण पाठ आदि।

घटक-७ : हिंदी भाषा शिक्षा के विविध अंगों का अध्यापन।

अ] श्रवण आकलन और मौखिक अभिव्यक्ती।

ब] संभाषण

क] लेखन-लिपी परिचय, शुध्दलेखन, हस्ताक्षर, अनुलेखन, श्रुतलेखन

ड] वाचन-मौखिक, मौन, सूक्ष्म, स्थूल, ग्रंथालय वाचन।

इ] गद्य का अध्यापन।

फ] पद्य का अध्यापन।

ग] रचना मौखिक और लिखित अध्यापन।

ह] व्याकरण का अध्यापन

स] नाट्य

घटक-८ : मूल्यांकन प्रणाली

अ] हिंदी भाषा मूल्यांकन प्रणाली का स्वरूप, प्रश्नके प्रकार, परीक्षा नियोजन

ब] घटक कसौटी - रचना तथा प्रशासन।

क] निदानात्मक परीक्षा और उपचारात्मक अध्यापन।

घटक-१० : हिंदी अध्यापक :-

अ] हिंदी अध्यापकों की पात्रता तथा गुणविशेष।

ब] हिंदी अध्यापक का व्यावसायिक विकास।

क] हिंदी शिक्षक संघटना का योगदान।

प्रात्यक्षिक कार्य [कोई एक] :-

१] किसी एक कक्षा के विद्यार्थियों की हिंदी भाषा में होनेवाली गलतियों का अभ्यास।

२] अभ्यासानुवर्ति कार्यक्रमों का शाला में आयोजन।

३] किसी एक भाषिक कौशल्य पर आधारित घटक की निदानात्मक कसौटी बनाना।

४] किसी भी एक विषयांश पर भित्तिपत्रक बनाना।

५] किसी भी एक घटक का घटक नियोजन तथा उसकी घटक कसौटी बनाना।

कोल्हापूर जिल्हा

तालुके

० १५ ३०

• किलोमीटर

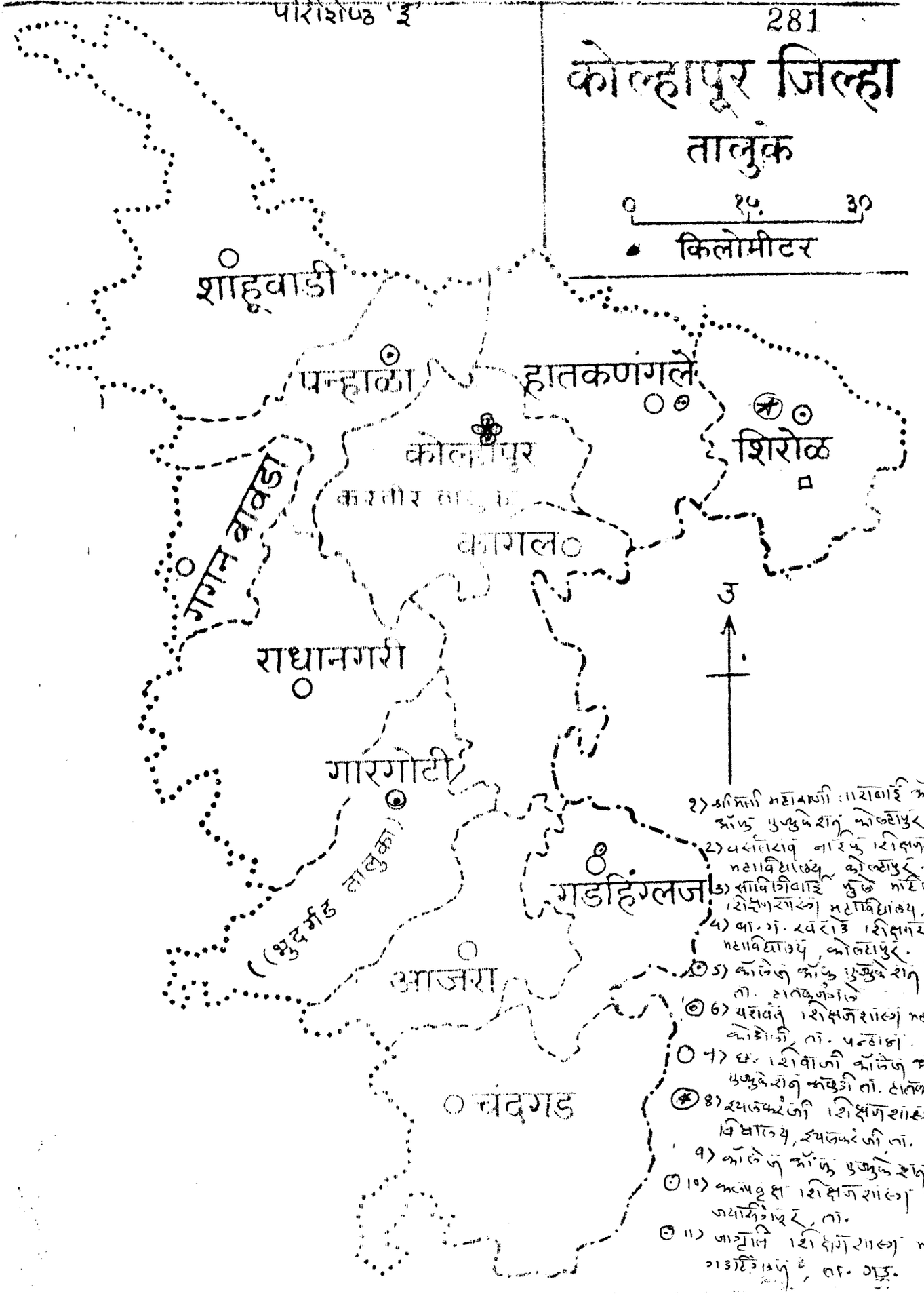

:: संदर्भ - सूची ::

Buch M.B. (1979) (First Edition), Second Survey of Research in Education, Baroda : The Society for Educational Research and Development.

Carter V.Good(Ed.). ' Dictionary of Education' Mcgraw Hill Book Company,Inc. New York, (1959), P.142.

Kohli (1974), Evaluated the Effectiveness of the Curruculum for Teacher Education at the B.Ed. level in Punjab in achieving it's objective, P.420.

Mishra J.N. (1969), A Study of the Problems and Difficulties of Hindi, English and Sanskrit Language Teaching at Secondary Stage, pp. 297-298.

Page 4. Terry and I.B. Thomas with A.R. Marshall (1977), International Dictionary of Education, New York : Kogan Page, London/Nichols Publishing Co.

R.C. Das, H.C.Sinha, K.K. Pillai, B.K. Passi, B.K. Matto (1984), Curriculum and Evaluation , National Council of Educational Research and Training, New Delhi P.P. 4, 23-28.

Report of the Education Commission - 1964-66, Education and National Development, New Delhi-16: National Council of Educational Research and Training, Reprint Edition, March (1971).

Verma V.P. (1971), Methods and Means of Teaching, P.314.

मराठी :-

मुळे रा.शं. व उमाठे वि.तु. : [१९८७], शैक्षणिक संशोधनाची मूलतत्वे सर्वेक्षण पद्धति, पृ. ११०-१२७.

हिंदी :-

केणी स.रा. और कुलकर्णी ह.कृ. : [१९७३], हिंदी की अध्यापन पद्धति, व्हिनस प्रकाशन, पूना.

पठान नसीमा : हिंदी विषयज्ञान, सु.अ. काले पब्लिशर्स, सोलापुर.

पाण्डेय रामशकल : [१९९१], हिंदी शिक्षण, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा.

राजूरकर म.ह. और राजकमल बोरा : [१९७८], हिंदी अनुसंधान का स्वरूप, नॅशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली.

साठे ग.नं. : [१९७१], राष्ट्रभाषा का अध्यापन महाराष्ट्र राष्ट्रभाषा सभा, पुणे.

सिंघारी कमलसिंह : [१९८७], संपर्क भाषा हिंदी, प्रभात प्रकाशन दिल्ली.